3

मेरा कर्तव्य और देशप्रेम

3. **सही उत्तर पर ✓ लगाओ—**

क. क्या केवल सैनिक ही देशप्रेम निभाते हैं?

i. हाँ ☐ ii. नहीं ☑ iii. पता नहीं ☐

ख. मज़दूर कहाँ का रहने वाला था?

i. दूर गाँव का ☑ ii. पास गाँव का ☐ iii. विदेश का ☐

ग. देशप्रेम इनसान को क्या बनाता है?

i. बेहतर इनसान ☑ ii. इनसान ☐ iii. सैनिक ☐

4. **नीचे दिए वाक्यों के सामने पाठ के अनुसार सही क्रम संख्या 1,2..... लिखो—**

क. मुझे तुम पर गर्व है कि तुमने सच्चे अर्थों में देशप्रेम को समझा है। 4

ख. सारी बात जानकर माँ ने मेरी पीठ थपथपाई। 3

ग. क्या केवल सैनिक ही देश के प्रति अपना कर्तव्य और प्रेम निभाते हैं? 1

घ. देशप्रेम हर इनसान को बेहतर इनसान बनाता है। 5

ङ. एक शाम माँ का बताया खाने का सामान लेकर मैं घर लौट रही थी। 2

इन पर विचार करो

1. यदि आप लेखिका के स्थान पर होते तो मज़दूर को उस हालत में देखकर क्या करते? Do yourself

2. देश के प्रति अपना कर्तव्य निभाने का अवसर मिलने पर हमें क्या करना चाहिए?

उ० देश के प्रति अपना कर्तव्य निभाने का अवसर मिलने पर हमें देश के प्रति वृद्धों, निर्धन, दीन-हीन, और असहाय लोगों की निःस्वार्थ भाव से सेवा करनी चाहिए।

प्रशंसा-योग्य

1. **आओ प्रतिज्ञा करें और अपने व्यवहार में उतारें—**

क. हम कभी किसी सार्वजनिक स्थान पर अपने देश की कमियों या उसकी बुराइयों की चर्चा नहीं करेंगे।

ख. हम अपने देश की श्रेष्ठता या हीनता की तुलना किसी अन्य देश से कभी नहीं करेंगे।

ग. हम अपने व्यवहार और आचरण को सभ्य बनाकर देश का सम्मान बढ़ाएँगे।

घ. हम अपने आस-पास साफ़-सफ़ाई रखेंगे और कूड़ा कूड़ेदान में ही डालेंगे।

ङ. हम विद्यालय, होटल, धर्मशालाओं, सड़कों, दीवारों और प्राचीन इमारतों को गंदा नहीं करेंगे।

जानी-अनजानी बातें

देश का अच्छा नागरिक होने के नाते हमारे कुछ कर्तव्य हैं।

- नियमों का पालन करते हुए देश की कानून व्यवस्था को बनाए रखना चाहिए।
- समाज में मिल-जुलकर रहना चाहिए और एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए।
- मतदान के अधिकार का उपयोग अवश्य करना चाहिए और साथ ही अपने आस-पास साफ़-सफ़ाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

- सार्वजनिक संपत्ति, जैसे—नल, बिजली के खंभों, पार्कों आदि के झूलों व कुरसियों, बस स्टैंड, स्टेशन पर उपलब्ध साधनों का उपयोग ध्यानपूर्वक करना चाहिए।
- समाज में रहकर एक-दूसरे की सुविधा और असुविधा का ध्यान रखना चाहिए।
- अपने से छोटों के मन में देश के प्रति आदर व सम्मान की भावना पैदा करनी चाहिए।

भाषा से

श्रुतलेख

ज़रूरतमंद, कर्तव्यपालन, सर्वश्रेष्ठ, दुर्दशा, निश्चय, प्रमाण

1. नए शब्द बनाओ और अर्थ लिखो—

सर्व	+ श्रेष्ठ	=	सर्वश्रेष्ठ	सबसे अच्छा
सर्व	+ प्रथम	=	सर्वप्रथम	सबसे पहला
सर्व	+ सम्मति	=	सर्वसम्मति	सबकी सम्मति
सर्व	+ ज्ञाता	=	सर्वज्ञाता	सबका ज्ञाता

2. नीचे दिए मुहावरों के अर्थ समझकर वाक्यों में प्रयोग करो—

क. दाँत खट्टे करना — हरा देना — भारतीय सेना ने शत्रु सेना के दाँत खट्टे कर दिए।

ख. पीठ थपथपाना — शाबाशी देना — प्रथम आने पर पिताजी ने मेरी पीठ थपथपाई।

ग. आँखें चुराना — सामना करने से बचना — सिपाही को सामने देख ठग आँखें चुराने लगा।

घ. फूला न समाना — बहुत खुश होना — अपना मनपसंद उपहार पाकर मैं फूला नहीं समाया।

3. नीचे दिए भाववाचक संज्ञा शब्दों से विशेषण बनाओ—

सच्चाई — सच्चा

ईमानदारी — ईमानदार

मजदूरी — मजदूर

देशप्रेम — देशप्रेमी

4. नीचे दिए वाक्यों को शुद्ध करके लिखो—

क. मैंने ऐसे देशप्रेम के अवसर तलाशने लगे।

मैं ऐसे देशप्रेम के अवसर तलाशने लगी।

ख. यह जानकर मैं दुख हो गई।

यह जानकर मैं दुखी हो गई।

ग. मैं मन-ही-मन प्रसन्न थी कि मजदूर अपने घर पहुँच जाएगी।

मैं मन-ही-मन प्रसन्न थी कि मजदूर अपने घर पहुँच जाएगा।

प्रस्तावित गतिविधियाँ

1. "दीन-दुखियों की सहायता ही मानव-धर्म है।" इस विषय पर कक्षा में संवाद करो और यदि आपने कभी किसी की सेवा-सहायता की हो तो इसके बारे में कक्षा में बताओ।
2. सैनिकों के देशप्रेम की घटनाओं के अन्य प्रेरणास्पद प्रसंग खोजकर पढ़ो और कक्षा में सुनाओ।
3. किसी महापुरुष के जीवन की एक प्रेरक घटना को अपने शब्दों में लिखो।
4. नीचे दिए गए चित्र में किन देशभक्तों की तसवीरें उभरती हैं? पहचानो और नाम लिखो।

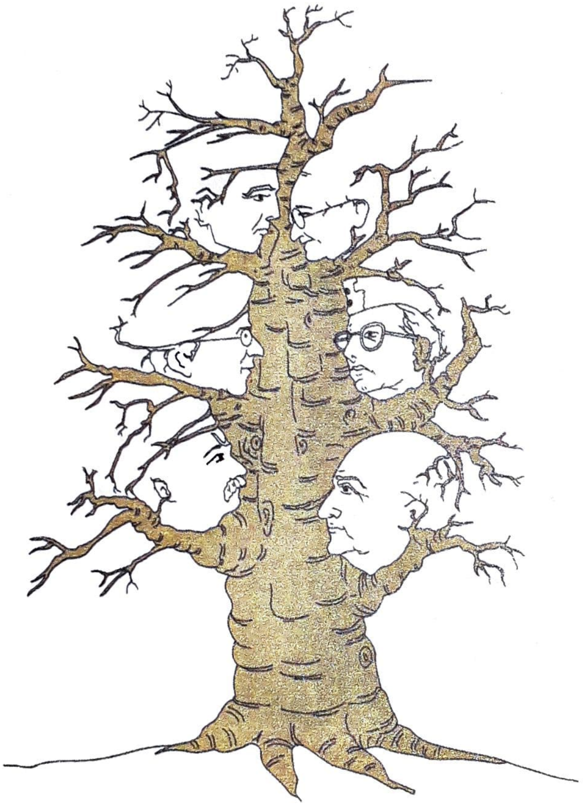

1. जवाहरलाल नेहरू
2) महात्मा गाँधी
3) डा॰ सर्वपल्ली राधा कृष्णन
4) सुभाषचंद्र बोस
5) लोकमान्य तिलक
6) वल्लभ भाई पटेल

हमने क्या सीखा

1. हमारे सभ्य आचरण और व्यवहार पर ही देश की समृद्धि और प्रतिष्ठा निर्भर करती है।
2. कर्तव्यपालन और देशप्रेम की भावना जागृत कर देश की प्रतिष्ठा और सम्मान की रक्षा करना।
3. लगन और ईमानदारी से कर्तव्य-पालन करना भी देशप्रेम है।
4. दुखी मानव की सेवा और सहायता ही सच्ची मानवता और मानव-धर्म है।